अध्याय–11

वन अनुसंधान केन्द्र
हैदराबाद

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के वन अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद ने काष्ट विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर के प्रशासनिक नियंत्रण में जुलाई, 1997 से कार्य करना शुरू किया। इस केन्द्र को वानिकी अनुसंधान के क्षेत्र में सभी पहलुओं पर आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक और गोवा राज्यों के दक्षिण शुष्क पर्णपाती पारितंत्र की अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्थापित किया गया।

वर्ष 2003–2004 के दौरान पूरी की गई परियोजनाएं

कोई नहीं

वर्ष 2003–2004 के दौरान जारी परियोजनाएं

परियोजना 1: आन्ध्र प्रदेश के अर्ध शुष्क उष्णकटिबंधी में विभिन्न कृषि वानिकी प्रणालियों का प्रदर्शन [एफ.आर.सी.–01/ए.एफ.–01/2001–2006]

प्रधान अन्वेषक–डॉ. जी.आर.एस. रेड्डी

स्थिति : परिसर में आठ एकड़ में कृषि वानिकी परीक्षण तैयार किए गए, जो चन्दन, रोजवुड, यूकेलिप्टस और सागौन के सर्वोत्तम जननद्रव्य में से एक है। ज्वार (शोरघम वुल्गेरी) और हरा चना फसलों का उपयोग करके नीम (ऐजैडिरैक्टा इंडिका), यूकेलिप्ट्स और रोजवुड (डैल्बर्जिया लेटिफोलिया) के साथ पात्र संवर्धन प्रयोग किए गए। रोपण स्टॉक की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए परिसर के भीतर ही एक 160 वर्ग मी. छाया घर (पौधशाला) और ड्रिप सिंचाई प्रणाली के साथ एक हैक्टेयर वानस्पतिक गुणन उद्यान विकसित किया गया है।

परियोजना 2: आन्ध्र प्रदेश में वनों के पुनर्जनन पर वनाग्नि के प्रभाव का मूल्यांकन [एफ.आर.सी.– 02/ई.बी.–01/2002–2005]

प्रधान अन्वेषक– डॉ. वाई. श्रीधर

स्थिति : प्रतिचयन तकनीक सहित कार्यपद्धतियां तैयार की गई। इन अध्ययनों को करने के लिए स्थलों की पहचान की गई। ऐसे स्थलों में प्राकृतिक पुनर्जनन पर आग के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए स्थाई क्वाड्रेट तैयार किए जाएंगे, जहां प्रबंध उपाय बनाम प्राकृतिक आग क्षेत्र के रूप में आग का उपयोग किया जाता है।

अनुसंधान उपलब्धियां

राज्य का नाम	2003–04 के दौरान पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या	2003–04 में जारी परियोजनाओं की संख्या	2003–04 में शुरू की गई परियोजनाओं की संख्या
आन्ध्र प्रदेश	–	2	6
कर्नाटक	–	–	1
गोवा	–	–	–

सहानुबंध एवं सहयोग

राष्ट्रीय सूदूर संवेदी एजेन्सी, हैदराबाद; यूनानी औषधि के लिए केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद; आन्ध्र प्रदेश वन विभाग और आई.टी.सी., भद्राचलम के साथ सहानुबंध स्थापित किए गए।

प्रकाशन

रेड्डी, जी.आर.एस.; शाह, ए.के.; प्रकाशम, यू. और एरगल, ए. (2003): परफॉरमेन्स ऑफ वैराइटीज़ ऑफ सोयाबीन अंडर 5 एम.पी.टीज़ एंड सिट्रस प्रजाति + पॉपलर्स जे.एन.के.बी.वी. रीस, जे., 37(1): 47–51।

परामर्श

कुद्रमुख आइरन ओर कम्पनी लिमिटेड, बंगलौर का खान बन्द करने की योजना और सिंगेरीनी कॉलेरीज लि. (एस.सी.सी.एल.) कोथागुडेम में थीलेवेगू नाले के पुनरसंरेखण के लिए वनस्पति और प्राणिजात पर आर.एफ. के विचलन के साथ होने वाले परिवर्तनों, यदि कोई हों, का मूल्यांकन।